प्राथमिक उपचार जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष–2019

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है, उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम समय में इतनी व्यवस्था करना होता है की चोटग्रस्त व्यक्ति को सम्यक इलाज करवाने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में काम से कम नुकसान हो। इसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की तरफ से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि छात्रों को संबंध विषय में जागरूक किया जा सके।

समन्वयक

IQAC

Prof. Shalini Saxena
Convener-IQAC
Govt. Maharaj Acharya Sanskrit
College, Jaipur (Raj.) 302015

प्राथमिक उपचार जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष–2021

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है, उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम समय में इतनी व्यवस्था करना होता है की चोटग्रस्त व्यक्ति को सम्यक इलाज करवाने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में काम से कम नुकसान हो। इसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की तरफ से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि छात्रों को संबंध विषय में जागरूक किया जा सके।

समन्वयक

IQAC

Prof. Shalini Saxena
Convener-IQAC
Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur (Raj.) 302015

प्राथमिक उपचार जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष–2022

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है, उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम समय में इतनी व्यवस्था करना होता है की चोटग्रस्त व्यक्ति को सम्यक इलाज करवाने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में काम से कम नुकसान हो। इसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की तरफ से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि छात्रों को संबंध विषय में जागरूक किया जा सके।

समन्वयक

IQAC

Prof. Shalini Saxena
Convener-IQAC
Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur (Raj.) 302015

प्राथमिक उपचार जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष–2023

किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है, उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते हैं। इसका उद्देश्य कम से कम समय में इतनी व्यवस्था करना होता है की चोटग्रस्त व्यक्ति को सम्यक इलाज करवाने की स्थिति में लाने में लगने वाले समय में काम से कम नुकसान हो। इसी पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय की तरफ से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि छात्रों को संबंध विषय में जागरूक किया जा सके।

समन्वयक

IQAC

Prof. Shalini Saxena
Convener-IQAC
Govt. Maharaj Acharya Sanskrit College, Jaipur (Raj.) 302015